

The Gazette



of India

EXTRAORDINARY

PART I—Section 3

PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 1] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 27, 1962/KARTIKA 5, 1884

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 27th October 1962

RESOLUTION

No. 15-E, dated 25th Oct., 1962.—Contributions from a number of organizations and individuals are being received for Armed Forces personnel engaged on border operations. The Government of India have decided to set up a fund known as 'The Border Operations Relief Fund' to which all such contributions will be credited. The fund shall be used for providing amenities for service personnel who are engaged in operations against the Chinese and relieving distress of service personnel disabled in these operations and of the dependants of service personnel who have sacrificed their lives in these operations or are reported missing or taken prisoner.

2 The fund shall be administered by a Committee composed as follows:—

Chairman—Defence Minister.

Dy. Chairman—Minister in the Ministry of Defence.

Members—

1. Secretary, Ministry of Defence.
2. Chief of the Army Staff.
3. Chief of the Naval Staff.
4. Chief of the Air Staff.
5. Financial Adviser, Ministry of Finance (Defence).
6. Adjutant General, Army Headquarters.

Secretary—Joint Secretary, Ministry of Defence in charge of Welfare Work.

Treasurer—Secretary, I.S.S. & A. Board.

3. The fund shall be operated on behalf of the Committee jointly by the Secretary and the Treasurer.

4. The Committee will have the power to co-opt any other person as member.

5. The Committee may lay down the procedure to be followed for the administration of the fund.

6. The I.S.S. & A. Board shall provide the necessary secretarial assistance for the administration of the fund.

M. M. SEN, Jt. Secy.

रक्षा मंत्रालय

संकल्प

नई दिल्ली, 27 अक्तूबर, 1962

संख्या IS-E, दिनांक 25 अक्तूबर, 1962—सीमा पर फौजी संक्रिया में लगे हुए सशस्त्र सेना कामिकों के लिये बहुत से व्यक्तियों और संगठनों से अंशदान प्राप्त हो रहा है। भारत सरकार ने “दी बीर्डर प्राप्रेषन रिलीफ फंड” नामक एक निधि की स्थापित करने का निर्णय किया है, जिसमें इस प्रकार के सब अंशदान जमा कर दिए जायेंगे। यह निधि उन सेना कामिकों की सुख-सुविधा के लिये प्रयोग में लाई जायेगी जो कि चीनियों के विरुद्ध फौजी संक्रिया में व्यस्त हैं, इस फौजी संक्रिया में अंगहीन हुए सेना कामिकों को दुख में अवमुक्त करने के लिये तथा जिन सैनिकों ने इस फौजी संक्रिया में आत्मबलिदान किया हो या वे गृम हा गये हों या कैदी बना दिए गये हों—उनके आश्रितों की इस निधि में अनुदान दिया जायेगा।

2. इस निधि की प्रबन्ध व्यवस्था एक समिति के अधीन होगी जिसके निम्न सदस्य होंगे :—

अध्यक्ष.—रक्षा मंत्री

उपाध्यक्ष.—रक्षा मंत्रालय में मंत्री

सदस्य

1. सचिव, रक्षा मंत्रालय

2. चीफ आफ दी आर्मी स्टाफ

3. चीफ आफ दी नेवल स्टाफ

4. चीफ आफ दी एयर स्टाफ

5. वित्त सलाहकार, वित्त मंत्रालय (रक्षा)

6. एडजुटेंट जनरल, सेना हेडक्वार्टर

मंत्री—कल्याणकारी कार्यों के कार्यभारी संयुक्त सचिव, रक्षा मंत्रालय।

कोषाध्यक्ष.—सचिव, भारतीय सैनिक, नाविक तथा वैमानिक बोर्ड।

3. समिति की ओर से मंत्री और कोषाध्यक्ष संयुक्त रूप में निधि से अनुदान दे सकते हैं।

- 4 समिति को अधिकार है कि वह किसी भी अन्य व्यक्ति को सह्योजित सदस्य बना सकती है ।
- 5 निधि की प्रबन्ध व्यवस्था के लिये समिति क्रियाविधि निर्धारित कर सकती है ।
- 6 भारतीय सैनिक, नाविक तथा वैमानिक बोर्ड निधि की प्रबन्ध व्यवस्था के लिये आवश्यक साविक सहायता प्रदान करेगा ।

एम० एम० सेन,
संयुक्त सचिव ।

